दैनिक पंचांग

27 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



शुक्रवार 2026 वर्ष का 331 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **जातु** होमना।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 09.49 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 15.09 बजे को समाप्त।
योग शुभ 23.52 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 09.49 बजे तदनन्तर बव 20.12 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 05'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872906
जूलियन दिन 2461371.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पादेय संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 16
विशेष गणाधिप संकष्टी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.53 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मकर	09.56 बजे से
मंगल	सिंह में	कुंभ	11.45 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.18 बजे से
गुरु	सिंह में	मेष	14.48 बजे से
शुक्र	तुला में	वृष	16.20 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.27 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.40 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.56 बजे से
		कन्या	01.08 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		तुला	03.19 बजे से
		वृश्चिक	05.33 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभ्र श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नील ग्रहन के नक्षत्र

3	5	7	8
157	159	188	116
445	780	340	233
788	889	449	279

दिन-133-
मधुर डे-677-116 मधुर नाइट-
मिलन डे-449-229 मिलन नाइट-

भविष्यफल

आज जन्म लिए बालक का फल.....

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, मार्गशीष कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय, पूर्वे शुक्रोदय, पूर्वे तिथि, तीज, शुक्रवार, आद्रा नक्षत्रे, सा/शु योगे, वल करणे, मिथुन की चंद्रमा, भद्रा 18/51 श्रीगणेश चौथ व्रत, चंद्रोदय रात्रि 8/23 सर्वार्थ सिद्ध योग 33/38 तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम फलदायक होगी।

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल वक्ता, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कार्यकुशल, प्रेस वाला, धनी होगा।

मेष राशि : बाधाओं से विचलित न हों, स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक उद्विग्नता अवश्य बनेगी।

वृष राशि : शुद्ध गोचर रहने से समय की अनुकूलता से लाभांवित हों, रुके कार्य बन जायेंगे।

मिथुन राशि : कार्यवृत्ति अनुकूल, चिन्तायें कम हों, स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास अवश्य ही बनेगा।

कर्क राशि : दैनिक स्थिति में सुधार, चिन्तायें कम हों किन्तु स्वभाव में खिन्नता बनेगी।

सिंह राशि : संघर्ष फलप्रद रहे, सोचे कार्य समय पर बनेंगे, मित्रों से सुख व सहयोग मिलेगो।

कन्या राशि : दैनिक व्यवसायिक गति अनुकूल होगी, क्लेश व अशांति, समय व्यर्थ जायेगा।

तुला राशि : सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे तथा बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि : प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, मनोवृत्ति-भावनायें उत्साहवर्धक अवश्य होंगी।

धनु राशि : स्थिति कुछ असमंजस में रखे, विघटनकारी तत्व परेशानी पैदा करेंगे, सतर्क रहें।

मकर राशि : घटना का शिकार होने से बचें, स्वभाव अनुकूल रहेगा, धनागमन से शांति होगी।

कुंभ राशि : उद्विग्नता-असमंजस का वातावरण क्लेशयुक्त रखे, कार्य से संतोष होगा।

मीन राशि : कार्यवृत्ति में सुधार, कुछ नई चिन्तायें मन उद्विग्न रखेंगी, धैर्य से कार्य करें।

उड़द की दाल से करे गरीबी दूर, करे अनसुने उपाय

शनिदोष दूर करने के लिए- शनि दृष्टि दोष दूर करने के लिए उड़द की दाल के 4 बड़े दाने शनिवार को प्रातः सिर से 3 बार उलटा घुमाकर कौओं को खिलाएं। ऐसा सात शनिवार तक करेंगे तो शनिदोष दूर हो जाएगा। उड़द का दान करने से भी शनिदोष कम होता है। किसी भिखारी को उड़द की कचौरी खिलाने से भी काम बनता है। किसी सफाईकर्मी को उड़द का दान कर सकते हैं।

गरीबी दूर करने के लिए- शनिवार को अपने पलंग के नीचे एक



बर्तन में सरसों का तेल रखें। अगले दिन उस तेल में उड़द की दाल के गुलगुले बनाकर कुत्तों और गरीबों को खिलाने से गरीबी दूर होती है और लक्ष्मी का आगमन होता है।

दुकान बंधी है यह कैसे जानें? यदि आपको लगता है कि आपकी दुकान किसी ने बांध रखी है तो आप रविवार की शाम को चालीस दाने लेकर उनपर चालीस बार निम्नलिखित मंत्र पढ़कर दुकान के चारों कोने में बराबर मात्रा में डाल दें। दूसरे दिन सुबह देखें कि उड़द के दाने साबुत हैं या कि उसमें से कुछ दानें छिटके, टूटे या फूटे हैं। साबुत है तो दुकान नहीं बंधी है और यदि साबुत नहीं है तो दुकान बंधी थी। मंत्र- भंवर वीर तू चेला मेरा खोल दुकान कहा कर मेरा, उठे जो डंडी किके जो मॉल, भंवर वीर सोखे नहीं जाए।

नया उद्योग शुरू करने हेतु यदि आप व्यवसायी हैं, पुराने उद्योग के चलते नया उद्योग आरम्भ कर रहे हों तो अपने पुराने कारखाने से कोई भी लोहे की वास्तु ला कर अपने नए उद्योग स्थल में रख दें। जिस स्थान पर इस को रखेंगे वहां पर स्वस्तिक बनाएं और वहां पर थोड़े से काले उड़द रखें उसके ऊपर उस वस्तु को रख दें। ऐसा करने से नवीन उद्योग भी पुराने उद्योग की तरह सफलता पूर्वक चल पड़ता है।

गुरु महेश जैन, इंटरनेशनल ज्योतिषाचार्य अनुष्ठानकर्ता, राणापुर
जिला झाबुआ मध्यप्रदेश, 7000098868 9425188009

पानसेमल और वरला माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने का आग्रह, 880.15 लाख की लागत से बनेगा आधुनिक रोहिणी तीर्थ घाट

बड़वानी की दो सिंचाई परियोजनाओं और रोहिणी तीर्थ घाट के निर्माण को लेकर एनवीडीए उपाध्यक्ष से मिले अंतर सिंह आर्य

बड़वानी, (अशोक पंडित)।
जिले के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने तथा जनजातीय आस्था के प्रमुख केंद्रों के विकास को लेकर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (भारत सरकार) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अंतर सिंह आर्य ने नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) के उपाध्यक्ष ई रमेश कुमार से सौजन्य भेंट की। इस दौरान जिले की दो महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं एवं नर्मदा तट पर स्थित ऐतिहासिक राजघाट के रोहिणी तीर्थ घाट के निर्माण कार्य को शीघ्र धरातल पर उतारने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

भाजपा प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि मुलाकात के दौरान आर्य ने बड़वानी जिले के किसानों, जनजातीय परिवारों एवं श्रद्धालुओं के हित से जुड़ी तीन प्रमुख विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित परियोजनाओं की आगामी प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने तथा आवश्यक बजट स्वीकृति उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

दो सिंचाई परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने का आग्रह- अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में बड़वानी में आयोजित राज्य की ऐतिहासिक कृषि कैबिनेट की बैठक में क्षेत्र की दो महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं पानसेमल माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना एवं वरला माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की जा



चुकी है। इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आर्य ने एनवीडीए उपाध्यक्ष ई रमेश कुमार से आग्रह किया कि प्राधिकरण की आगामी बैठक में दोनों परियोजनाओं को प्रमुखता से सम्मिलित कर आवश्यक बजट की स्वीकृति प्रदान की जाए तथा टेंडर प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए सुविधा मिलेगी तथा कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से जनजातीय बहुल क्षेत्रों के किसानों एवं परिवारों को इन योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त हो सकेगा।

880.15 लाख की लागत से बनेगा आधुनिक रोहिणी तीर्थ घाट- मुलाकात के दौरान नर्मदा तट पर स्थित ऐतिहासिक एवं जनजातीय आस्था के प्रमुख केंद्र राजघाट बड़वानी पर रोहिणी तीर्थ घाट के पुनर्निर्माण का विषय भी प्रमुखता से रखा गया। आर्य ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं धार्मिक गतिविधियों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आधुनिक घाट का निर्माण प्रस्तावित है। घाट निर्माण के लिए कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 11, बड़वानी द्वारा 880.15 लाख रुपये की अनुमानित लागत का तकनीकी प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रस्ताव के अंतर्गत 150 मीटर लंबा एवं 52 मीटर चौड़ा भव्य घाट बनाया जाना है। इसके साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 72 वर्ग मीटर क्षेत्र में चेंजिंग रूम तथा दिव्यांगजनों की सुगम आवाजाही के लिए विशेष रैंप का निर्माण भी प्रस्तावित है। आर्य ने रोहिणी तीर्थ घाट की धार्मिक एवं जनजातीय महत्ता को देखते हुए इस कार्य को जनहित की महत्वपूर्ण परियोजना बताते हुए आपदा प्रबंधन मद से शीघ्र प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि घाट के आधुनिक स्वरूप में विकसित होने से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा नर्मदा तट पर धार्मिक गतिविधियों के आयोजन में भी सुविधा होगी।

एनवीडीए उपाध्यक्ष ने सकारात्मक रुख अपनाया- भेंट के दौरान एनवीडीए उपाध्यक्ष ई रमेश कुमार ने दोनों सिंचाई परियोजनाओं एवं रोहिणी तीर्थ घाट निर्माण के विषय पर सकारात्मक रुख अपनाया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाई हेतु निर्देशित करने का आश्वासन दिया। भाजपा प्रवक्ता सुनील अग्रवाल ने बताया कि इन तीनों परियोजनाओं के शीघ्र क्रियान्वयन से बड़वानी जिले में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, किसानों के हितों के संरक्षण तथा जनजातीय आस्था से जुड़े धार्मिक स्थल के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

तीन वर्षों से नर्मदा परिक्रमावासियों की सेवा में जुटा खाटू श्याम सेवा आश्रम

प्रतिदिन 150 से 200 श्रद्धालुओं को करा रहे भोजन प्रसादी

बड़वानी। मां नर्मदा की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की सेवा और सत्कार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए तलून खुर्द स्थित श्री खाटू श्याम सेवा आश्रम द्वारा लगातार सेवा कार्य किया जा रहा है। आश्रम में नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की जा रही है। पिछले तीन वर्षों से जारी यह सेवा श्रद्धा, समर्पण और मानव सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

श्री खाटू श्याम सेवा आश्रम समिति के सेवादार एवं सरपंच प्रतिनिधि लोकेश नरगावे ने बताया कि दशहरा पर्व से आश्रम में नर्मदा परिक्रमावासियों की सेवा का विशेष क्रम शुरू किया गया है। देवउठनी ग्यारस के अवसर पर भी यह सेवा निरंतर जारी है। आश्रम में प्रतिदिन सुबह और शाम मां नर्मदा की



परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी तैयार कर परोसी जाती है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 150 से 200 नर्मदा परिक्रमावासी आश्रम पहुंचते हैं, जहां उनके लिए श्रद्धापूर्वक भोजन की व्यवस्था की जाती है। आश्रम समिति के सेवादार पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ भोजन प्रसादी तैयार कर श्रद्धालुओं को भोजन कराते हैं। लोकेश नरगावे ने बताया कि मां नर्मदा की परिक्रमा पर निकले श्रद्धालुओं की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। इसी भावना के साथ पिछले तीन वर्षों से लगातार यह सेवा कार्य किया जा रहा है। आश्रम का उद्देश्य परिक्रमावासियों को यात्रा के दौरान भोजन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी सेवा करना है। मां नर्मदा के प्रति आस्था और परिक्रमावासियों के प्रति सेवा भाव से संचालित श्री खाटू श्याम सेवा आश्रम का यह प्रयास क्षेत्र में धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक सेवा की मिसाल पेश कर रहा है। नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आस्था, तपस्या और समर्पण का प्रतीक है। इस पावन यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की सेवा करना भी किसी पुण्य कार्य से कम नहीं है। बड़वानी जिले के तलून खुर्द स्थित श्री खाटू श्याम सेवा आश्रम पिछले तीन वर्षों से नर्मदा परिक्रमावासियों की सेवा में जुटा हुआ है। यहां प्रतिदिन 150 से 200 श्रद्धालुओं के लिए सुबह-शाम भोजन प्रसादी की व्यवस्था की जा रही है। वीडियो के लिए समापन निस्वार्थ सेवा और मां नर्मदा के प्रति अटूट श्रद्धा का यह प्रयास निश्चित ही सराहनीय है। श्री खाटू श्याम सेवा आश्रम के सेवादारों का यह सेवाभाव नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए बड़ी मदद साबित हो रहा है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित, एएसपी ने दिलाई संविधान की शपथ



बड़वानी। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवम्बर 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित जिलेभर के थाना क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एएसपी धीरज बब्बर द्वारा पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के साथ भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया तथा संविधान के प्रति निष्ठा एवं उसमें निहित आदर्शों और मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई गई। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के संकल्प के साथ सभी नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता तथा प्रतिष्ठा एवं अवसर की समता सुनिश्चित करने के मूल भाव को दोहराया गया। साथ ही व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता की भावना को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया गया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक कमल वास्के, रक्षित निरीक्षक गजेंद्र निगवाल, रक्षित निरीक्षक उषा सिसोदिया, सूबेदार अलका वास्केल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के स्टाँफसहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बुलेट के मॉडिफाइड साइलेंसर पर सेंधवा पुलिस का शिकंजा, 2 साइलेंसर जब्त

4 बुलेट चालकों पर चालानी कार्रवाई, 3000 रुपये समन शुल्क वसूल



बड़वानी। जिले के सेंधवा शहर में बुलेट मोटरसाइकिलों से पटाखों जैसी तेज एवं धमाकेदार आवाज निकालकर आमजन को परेशान करने तथा ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर एवं एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी सेंधवा शहर दिनेश सिंह कुशवाह एवं थाना प्रभारी सेंधवा ग्रामीण ओमप्रकाश चौंगडे के नेतृत्व में यातायात प्रभारी सेंधवा निरीक्षक कविता अलावा द्वारा पुलिस टीम के साथ विशेष कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर लगी 2 बुलेट मोटरसाइकिलों के साइलेंसर खुलवाकर जब्त किए गए तथा संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर 2000 रुपये समन शुल्क वसूल किया गया। वहीं अन्य 2 बुलेट मोटरसाइकिलों के साइलेंसर की जांच में मॉडिफाइड नहीं पाए गए, लेकिन वाहन पर नंबर प्लेट नहीं होने के कारण संबंधित चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर 1000 रुपये समन शुल्क वसूल किया गया। इस प्रकार कुल 4 बुलेट वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई कर 3000 रुपये समन शुल्क वसूल किया गया। इसी क्रम में जामली टोल प्लाजा पर आने-जाने वाले वाहन चालकों को रोककर हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग के संबंध में समझाइश दी गई तथा यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया। वाहन चालक अपने वाहनों में निर्धारित मानकों के अनुरूप ही साइलेंसर का उपयोग करें। अनावश्यक तेज एवं धमाकेदार आवाज निकालकर आमजन को परेशान करने तथा ध्वनि प्रदूषण फैलाने से बचें। वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें।

34 वर्ष बाद एक छत के नीचे जुटे बीटीआई के सहपाठी व गुरुजन, जीवंत हुई सुनहरी यादें

बड़वानी। बुनियादी शिक्षक प्रशिक्षण संस्था (बीटीआई) के सत्र 1991-92 एवं 1992-93 के पूर्व सहपाठियों और गुरुजनों का बीटीआई गोल्डन परिवार का मधुर मिलन समारोह-2026 शहर के एक निजी परिसर में आयोजित हुआ। 34 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस मिलन ने पुरानी दोस्ती, अपनत्व और गुरु-शिष्य परंपरा को एक बार फिर सजीव कर दिया।



कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं पूर्व गुरु दिलीप पाटील के शाल, श्रीफल व पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत के साथ हुई। अध्यक्षता सहपाठी एवं सांदीपनि हायर सेकेंडरी स्कूल सिलावद के प्राचार्य कैलाश भालसे ने की। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के बाद शिक्षिका सुनीता अवस्थी ने मधुर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। दिवंगत हुए गुरुजनों और सहपाठियों की पावन स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शिक्षक श्रीराम सोनवने के भावपूर्ण गीत ने सभी को अतीत की यादों से जोड़ दिया। मुख्य अतिथि गुरु दिलीप पाटील ने सभी को बीटीआई गोल्डन परिवार अंकित केसरिया अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही उनके आशीर्वचनों ने सभी में नई उर्जा का संचार किया। इसके बाद कविता, शेरों-शायरी, हास्य-व्यंग्य, अभिनय और नृत्य की प्रस्तुतियों ने प्रशिक्षण काल की यादों को ताजा कर दिया। प्राचार्य कैलाश भालसे ने 5101 की राशि देकर बीटीआई गोल्डन फैमिली फंड की शुरुआत की। सभी ने स्वेच्छा से इस कोष को सशक्त बनाने का संकल्प लिया, ताकि संकट के समय किसी साथी या उसके परिवार को संबल मिल सके। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक व समाजसेवी रामप्रसाद यादव ने किया तथा अंत में वरिष्ठ शिक्षक अमृत पटेल ने आभार माना। सभी ने इस आत्मीय जुड़ाव को बनाए रखने और नियमित रूप से मिलते रहने का संकल्प लिया।

शहर में कल सजेगी शान-ए-अहले बैत व सरकार गरीब नवाज कांफ्रेंस, देशभर के उलेमा और मेहमान होंगे शामिल

बड़वानी। शहर में धार्मिक और रूहानी माहौल के बीच 27 नवंबर को शान-ए-अहले बैत और सरकार गरीब नवाज कांफ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक कार्यक्रम में देश के कई क्षेत्रों के उलेमा, धर्मगुरु और मेहमान शिरकत करेंगे। उक्त कार्यक्रम शुक्रवार को रात करीब 9 बजे से शहर के अल्लामा इकबाल चौक में होगा। कांफ्रेंस में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ सैयद जलालुद्दीन अशरफ अशरफिल जिलानी साहब (कादरी मिस्री) तथा सैयद मोहिउद्दीन मुआज अशरफ अशरफी जिलानी साहब शामिल होंगे। कार्यक्रम में नातख्वानी, धार्मिक तकरीर और अन्य आध्यात्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अकीदत और मोहब्बत का संदेश दिया जाएगा। इस आयोजन की जिम्मेदारी स्थानीय हुसैनी अशरफी कमेटी द्वारा संभाली जा रही है। कार्यक्रम सुन्नत मुस्लिम जमाअत व दारुल कजात बड़वानी की सरपरस्ती में होगा। आयोजकों ने शहरवासियों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की है।

लगातार उठाई जनहित की आवाज रंग लाई, महीनों से बंद ओझर की एम्बुलेंस फिर हुई सक्रिय

नारायण चुन्नू सोनी के सतत प्रयासों को मिली सफलता, मरीजों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

ओझर। जनहित के मुद्दों को लेकर यदि लगातार प्रयास किए जाएं तो सफलता अवश्य मिलती है। इसकी एक मिसाल ग्राम ओझर में देखने को मिली, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की रोगी कल्याण समिति की महीनों से बंद पड़ी एम्बुलेंस आखिरकार फिर से सक्रिय होने की दिशा में आगे बढ़ी है। लगातार प्रयासों और जिम्मेदार अधिकारियों तक आवाज पहुंचाने के बाद 23 नवंबर 2026, सोमवार को एम्बुलेंस को आवश्यक कार्य के लिए बड़वानी भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ओझर की रोगी कल्याण समिति की एम्बुलेंस विगत कई महीनों से टीन शेड में खड़ी थी। ग्रामीणों के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोगी यह एम्बुलेंस अनुपयोगी पड़ी होने से क्षेत्र के लोगों को काफी निराशा थी। इस समस्या को लेकर नारायण चुन्नू सोनी द्वारा लगातार आवाज उठाई गई। उन्होंने पूर्व गृह मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक माननीय बाला बच्चन सहित स्वास्थ्य, शिक्षा एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के समक्ष वीडियो के माध्यम से इस गंभीर समस्या को रखा।

उन्होंने मांग की थी कि यदि स्वास्थ्य विभाग एम्बुलेंस को दुरुस्त कराने में असमर्थ है, तो इसे जनता के सुपुर्द कर दिया जाएए ताकि ग्रामीण जनसहयोग और चंदा एकत्रित कर इसकी मरम्मत करवाकर इसे पुनः



जनसेवा में लगा सके। इस मामले को लेकर बीएमओ, सीएमएचओ, माननीय कलेक्टर महोदया, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तथा भोपाल स्थित वल्लभ भवन में प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य विभाग तक लिखित शिकायतें एवं आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत किए गए। लगातार पत्राचार, शिकायतों और जनहित में किए गए प्रयासों के बाद आखिरकार सकारात्मक परिणाम सामने आया। 23 नवंबर को एम्बुलेंस को आवश्यक कार्य के लिए बड़वानी भेजा जाना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे ओझर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में उम्मीद जगी है कि जल्द ही एम्बुलेंस पुनरू मरीजों की सेवा में उपलब्ध हो सकेगी।

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए अहम कदम- यह मामला केवल एक एम्बुलेंस को दुरुस्त कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता और जिम्मेदार विभागों की जवाबदेही से भी जुड़ा हुआ है। ग्रामीण अंचलों में आपातकालीन परिस्थितियों में एम्बुलेंस की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। समय पर मरीज को अस्पताल पहुंचाना कई बार जीवन बचाने में निर्णायक साबित होता है। ऐसे में एम्बुलेंस का पुनरू सक्रिय होना ओझर और आसपास के गांवों के लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है। इस जनहित के मुद्दे को निरंतर उठाने वाले नारायण चुन्नू सोनी एवं इस मुहिम में सहयोग करने वाले सभी जागरूक नागरिकों के प्रयासों की सराहना की जा रही है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि एम्बुलेंस की आवश्यक मरम्मत एवं प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह जल्द ही नियमित रूप से मरीजों की सेवा में उपलब्ध होगी। जनहित के लिए उठाई गई आवाज जब निरंतर प्रयासों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचती है, तो बदलाव की राह जरूर खुलती है। ओझर की एम्बुलेंस का फिर से सक्रिय होना इसी सामूहिक जागरूकता और प्रयासों का सकारात्मक उदाहरण है।